Date - 8/5/2020

Page I

For BA (III Part) VKSU
Psychology (H) Maharaja College Ara
For UG students of VKSU, Ara
Group A Industrial Psychology

Problems of industrial Psychology—

औद्योगिक मनोविज्ञान उद्योग तथा व्यवसाय में लगे व्यक्तियों की मानवीय समस्याओं का वैज्ञानिक अध्ययन करता है। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति में औद्योगिक मनोविज्ञान के सामने कुछ समस्याएँ भी खड़ी हो जाती हैं जिन्हें मुख्यतः तीन भागों में बाँटा जा सकता है।

(1.) कर्मचारियों से संबंधित समस्याएँ (Problems relating to workers)

(2.) कार्य से संबंधित समस्याएँ (Problems relating to work.

(3.) कर्मचारीगण एवं व्यवस्थापक से संबंधित समस्याएँ (Problems relating to relationship between employees and management.

(1.) Problems relating to workers— औद्योगिक मनोविज्ञान कर्मचारीगण के हितों पर अधिकतम ध्यान दिया जाता है। कर्मचारी तथा श्रमिक ठीक ढंग से अपना कार्य संतोषपूर्वक कर सके। औद्योगिक मनोविज्ञान में ऐसी कई समस्याएँ आ जाती हैं जो कर्मचारियों से संबंधित होता है। कर्मचारियों को कैसे दुर्घटना से बचाया जा सकता है। उनमें नीरसता तथा उनमें कैसे काम से थकाती है। उन्हें

किस तरह का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उनके वैज्ञानिक चयन, स्थापन तथा पदोन्नति में किन-किन विधियों को अपनाना चाहिए। उनके कार्य अभिप्रेरण तथा अभिरुचि को कैसे ऊँचा एवं मजबूत बनाकर रखा जाए आदि कुछ प्रमुख समस्याएँ हैं जिनका अध्ययन औद्योगिक मनोविज्ञान में किया जाता है। कर्मचारियों की वैयक्तिक विभिन्नता से संबद्ध कई तरह की समस्याएँ भी उत्पन्न हो जाती है सभी कर्मचारियों की बुद्धि, अभिरुचि, अभिक्षमता (aptitude) आदि के स्तर समान न होकर अलग-अलग हो सकते हैं। अतः यह समस्या उत्पन्न हो जाती है उन्हें एक ही तरह के कार्य-वातावरण (work environment) में किस तरह से समायोजित (adjust) किया जा सके।

(ii) कार्य से संबंधित समस्याएँ (Problem relating to work) — औद्योगिक मनोविज्ञान की कुछ समस्याएँ कर्मचारियों तथा श्रमिकों के कार्य के वातावरण तथा स्वरूप से संबंधित होती है। कुछ श्रमिकों का कार्य-वातावरण मानवीय दृष्टिकोणों से ठीक नहीं होता है अर्थात उन्हें एक ऐसे वातावरण में कार्य करना पड़ता है जिसका प्रभाव उनकी शारीरिक क्षमता पर प्रतिकूल पड़ता है। अतः इस मनोविज्ञान में ऐसे वातावरण से उत्पन्न होनेवाली समस्याओं का अध्ययन किया जाता है तथा उनका समुचित समाधान भी ढूंढ़ा जाता है। कार्य वातावरण में प्रकाश, रोशनी की समस्या / अनावश्यक आवाज को नियंत्रित

मशीनों की जटिलता, तापक्रम को साधारण बनाएँ इसके से संबंधित समस्या इत्यादि प्रमुख हैं वे कार्य वि-विश्लेषण (Job analysis) तथा कार्य डिजाइन (Job design) से संबंधित पहलुओं का अध्ययन करते हैं। तथा उनसे संबंधित समस्याओं का विशेष अध्ययन किया जाता है कार्य विश्लेषण में औद्योगिक मनोवैज्ञानिक प्रत्येक कार्य के लिए एक उपयुक्त योग्यता निर्धारित करते हैं और उनसे संबंधित अन्य समस्याओं पर विचार करते हैं। कार्य डिजाइन (Job design) में उन समस्याओं का उजागर किया जाता है जो इस बात से संबंधित होते हैं कि कार्य को अधिकतम कुशलता के साथ करने के कौन-कौन से वैज्ञानिक तरीके हो सकते हैं।

(3) कर्मचारीगण एवं व्यवस्थापक से संबंधित समस्याएं (Problems relating to the relationship between employees and Management —

औद्योगिक मनोविज्ञान में भी उन समस्याओं का भी अध्ययन किया जाता है जिनका मतलब कर्मचारीगण एवं व्यवस्थापक के बीच के संबंधों से होता है। प्रायः देखा गया है कि व्यवस्थापक कर्मचारियों का शोषण करके अधिक से अधिक मुनाफा कमाना चाहते हैं प्रत्यक्ष रूप से कर्मचारीगण विरोध करते हैं।

फलस्वरूप उद्योग एवं व्यवसाय में तनाव (Tension) संघर्ष (Conflict) तथा समायोजन (adjustment) से संबंधित अन्य कई तरह की समस्याओं का प्रादुर्भाव होता है। औद्योगिक मनोविज्ञान में, औद्योगिक तनाव (Industrial tension), औद्योगिक संघर्ष (Industrial conflict) आदि से संबंधित समस्याओं का अध्ययन किया जाता है। औद्योगिक मनोवैज्ञानिक उन समस्याओं का भी अध्ययन करते हैं जो श्रमिक संघों (Labour Union) तथा व्यवसाय के मालिकों के बीच मधुर संबंधों के बीच रहते हैं और अड़चनें हैं इतना ही नहीं, कभी-कभी कर्मचारीगण आपस में ही कुछ स्वार्थ-स्वार्थ मुद्दों पर संघर्ष की नीति अपना लेते हैं। ऐसे संघर्ष संघर्ष से उत्पन्न समस्याओं का भी अध्ययन मनोविज्ञान में सफलता पूर्वक किया जाता है। अतः इस प्रकार हम देखते हैं कि औद्योगिक मनोविज्ञान की समस्याएँ विविध हैं।

Send 8/5/2020

By Kumar Patil
Assistant professor,
Department of Psychology
Maharaja College Ara.
Phone No. 8521986965